वी.यू. के अंर्तगत अनुसूचित जाति समुदाय के सामाजिक आर्थिक उत्थान में टिकाऊ आंगनबाड़ी कुक्कुट पालन द्वारा उद्यमशीलता एवं कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

जबलपुर। आज दिनांक 14 फरवरी 2020 को नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.) के कुलपति सभागार में अनुसूचित जाति–उपयोजना (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा पोषित) के अंतर्गत **''अनुसूचित जाति के हितग्राहियों हेतु टिकाऊ आंगनबाड़ी कुक्कट पालन द्वारा उद्यमशीलता एवं कौशल विकास''** हेतु पांच दिवसीय प्रशिक्षण का समापन कार्यक्रम आयोजित हुआ।

उद्यमशीलता एवं कौशल विकास के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि–डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, माननीय कुलपति जी, ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. सुनील नायक, संचालक, विस्तार शिक्षा, ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर (म.प्र.) रहे। इस कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं वि.वि. के प्रशासनिक अधिकारियों व संचालकगणों का स्वागत पुष्प गुच्छ से हुआ।

कार्यक्रम का स्वागत भाषण डॉ. आर.पी. नेमा, पाठ्यक्रम समन्वयक, प्राध्यापक एवं विभाग प्रमुख कुक्कट विज्ञान विभाग द्वारा दिया गया, जिसमें आपने बताया कि इस कार्यक्रम में **''रिलाइंस फांऊडेशन''** के समन्वय द्वारा जबलपुर जिले के ग्रामः उमरिया चौबे के 30 प्रशिक्षणार्थीयों का चयन किया गया था। अनुसूचित जाति के हितग्राहियों हेतु 5 दिवसकीय टिकाऊ आंगनबाड़ी कुक्कुट पालन उद्यमशीलता एवं कौशल विकास प्रशिक्षण में कुक्कुट पालन के विभिन्न विषयों पर सैद्धान्तिक व प्रायोगिक व्याख्यान दिए गए। इनमें मुर्गीपालन का महत्व, कैसे शुरूआत करें, ब्रायलर, लेयर व आंगनबाड़ी हेतु उपयुक्त नस्लें, आवास, प्रबंधन, उपकरण, मुर्गियों का लालन–पालन, पोषण प्रबंध, हेचरी, प्रमुख बीमारियाँ व उनकी रोकथाम जैव सुरक्षा, लेखा तथा प्रोजेक्ट रिपोर्ट तथा विभिन्न मौसम में प्रबंधन, ब्रायलर शारीरिक भार व अण्डा उत्पादन को प्रभावित करने वाले कारक इत्यादि विषयों पर विशेषकर प्रायोगिक रूप से पांच दिवसों में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

उद्बोधन की श्रंखला में प्रतिभागी श्री राजेश कुमार वंशकर व श्री किशनलाल बेन द्वारा **''अनुसूचित जाति के हितग्राहियों हेतु टिकाऊ आंगनबाड़ी कुक्कट पालन द्वारा उद्यमशीलता एवं कौशल विकास''** द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान अपने अनुभवों को साझा किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि व विशिष्ठ अतिथियों द्वारा 4 ग्रामों के प्रशिक्षाणिर्थो को 20–20 कड़कनाथ नस्ल के चूजे, दाना मिश्रण एवं पानी के उपकरणों के साथ–साथ प्रतिभागियों को प्रशिक्षणोंपरांत प्रमाण पत्र वितरित किये गये।

इस कार्यक्रम के अवसर पर माननीय कुलसचिव जी ने उदबोधन देते हुये कहा कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा पोषित इस सफल प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से अनुसूचित जाति के हितग्राही अपने सामाजिक–आर्थिक स्थिति में सुधार लाते हुये, राष्ट्र निर्माण में सहभागी होगें।

उद्यमशीलता एवं कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के महत्व पर उद्गार व्यक्त करते हुये डॉ. सुनील नायक, संचालक विस्तार शिक्षा ने इस वि.वि. के माध्यम से भारतीय कृषि अनसुंधान परिषद्, नई दिल्ली को साधुवाद देते हुये, अवगत कराया कि उद्यमशीलता एवं कौशल विकास के चार प्रशिक्षण कार्यक्रम (पांच दिवसीय), प्रशिक्षणार्थी की क्षमता विकसित करने की दिशा में आठ (एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं कृषक भ्रमण) तथा एक पशु स्वास्थ्य उपचार शिविर (एक दिवसीय) आदि के आयोजन संचालनालय, विस्तार शिक्षा द्वारा अनुसूचित जातियों के सामाजिक–आर्थिक उत्थान के हितार्थ संपादित कराये जावेगें।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति, ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर ने अपने उद्बोधन में संबोधित करते कहा कि यह विश्वविद्यालय अनुसूचित जाति समुदाय सामाजिक–आर्थिक उत्थान की दिशा में निरंतर प्रयासरत् है। निःसंदेह टिकाऊ आंगनबाड़ी कुक्कट पालन द्वारा इस समुदाय के प्रतिभागी उद्यमशीलता एवं कौशल विकास में यह पांच दिवसीय प्रशिक्षण मील का पत्थर साबित होगा। यह प्रशिक्षण सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक तकनीकी ज्ञान के द्वारा (प्रतिभागीयों) में उद्यमशीलता के साथ प्रतिभागी युवक–युवतीयों में कौशल विकास होगा, जिससे वे स्वरोजगार के माध्यम से स्वाबलंबी होकर अनुसूचित जाति के समुदाय का सामाजिक–आर्थिक उत्थान में महत्ती भूमिका कर निर्वाहन करेंगें।

इस गरिमामय कार्यक्रम में डॉ. विनोद बाजपेयी, कुलसचिव, डॉ.जे.के. भारद्वाज, संचालक प्रक्षेत्र, डॉ. श्रीकांत जोशी, संचालक शिक्षण, डॉ. सुनील नायक, संचालक विस्तार शिक्षा, डॉ.एस.एस. अतकरे, डॉ. हरि, आर, श्री जगदीश प्रजापति व सहयोगी अधिकारी, रिलांइस फांऊडेशन, डॉ. सुषमा निगम, डॉ. लक्ष्मी चौहान, तह. पनागर के उमरिया चौबे के 30 अनुसूचित जाति के प्रशिक्षणार्थी की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

इस उद्यमशीलता एवं कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन व आभार प्रदर्शन डॉ. अनिल कुमार गौर द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी,
ना.दे.प.चि.वि.वि., अधारताल, जबलपुर (म.प्र.)